भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2897
उत्तर देने की तारीख 13.08.2026

सांस्कृतिक विरासत तक डिजिटल पहुँच

2897. श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण :
डा. दिनेश शर्मा :
श्री शंभू शरण पटेल :
श्रीमती साधना सिंह :
श्री जग्गेश :
श्री सुभाष बराला :
श्री मदन राठौड़ :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 'उन्नत भारतीय संस्कृति पोर्टल' (एडवांस्ड इंडियन कल्चर पोर्टल) के ज़रिए भारत की सांस्कृतिक विरासत तक डिजिटल पहुँच को मज़बूत करने के लिए कोई उपाय किए हैं;

(ख) उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पोर्टल पर पहुँच, कई भाषाओं में उपलब्धता और प्रयोक्ता सहभागिता को बेहतर बनाने के लिए की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या डिजिटल सांस्कृतिक संसाधनों के विस्तार के लिए संग्रहालयों, पुस्तकालयों,पुरालेखों और अन्य सांस्कृतिक संस्थानों को पोर्टल से जोड़ने हेतु कोई तंत्र स्थापित किया गया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस पोर्टल से किस प्रकार भारत की सांस्कृतिक विरासत तक आम लोगों की पहुँच को बढ़ावा देने और शोध व संरक्षण में सहायता मिलना अपेक्षित है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): मार्च 2026 में शुरू किए गए अपग्रेडिड **भारतीय संस्कृति पोर्टल (आईसीपी) संस्करण 2.0** के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत तक डिजिटल पहुंच को सुदृढ़ करने के लिए कई

महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। इस अपग्रेडिड पोर्टल को आधुनिक, विस्तारणीय (स्केलेबल) और सुरक्षित आर्किटेक्चर के साथ विकसित किया गया है ताकि भारत के सांस्कृतिक संसाधनों तक निर्बाध पहुंच प्रदान की जा सके। इसे बेहतर बनाने के लिए किए गए परिवर्तनों में मुख्यत:, संवर्धित खोज क्षमताएं, बहुभाषी सहायता, बेहतर उपयोगकर्ता इंटरफेस और उपयोगकर्ता अनुभव, प्रोग्रेसिव वेब एप्लीकेशन (पीडब्ल्यूए) कार्यक्षमता, एआई-सक्षम चैटबॉट और संस्कृति मंत्रालय की सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ एकीकरण शामिल हैं।

(ख): पोर्टल तक पहुंच, बहुभाषी उपलब्धता, उपयोगकर्ता इंटरफेस, सार्वजनिक सहभागिता और डिजिटल सामग्री को बेहतर बनाने के लिए की गई प्रमुख पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. बेहतर नेविगेशन और सुगम्यता के साथ एक आधुनिक और रिस्पॉन्सिव उपयोगकर्ता इंटरफेस की शुरुआत।
2. भाषिणी प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण के माध्यम से 22 भारतीय भाषाओं में विषयवस्तु की उपलब्धता।
3. एआई-संचालित चैटबॉट भारती को चालू करना जिससे बुद्धिमतापूर्ण खोज, विषयवस्तु खोज और बहुभाषी संवाद संभव हो सके।
4. सांस्कृतिक संसाधनों की कुशल पुन:प्राप्ति के लिए उन्नत खोज और फ़िल्टरिंग विशेषताएं।
5. डेस्कटॉप, टैबलेट और मोबाइल उपकरणों पर पहुंच को सक्षम बनाने के लिए प्रोग्रेसिव वेब एप्लीकेशन (पीडब्ल्यूए) के रूप में पोर्टल का विकास।
6. बेहतर कार्य निष्पादन, विस्तारक्षमता और सुरक्षा के लिए रिएक्ट और द्रुपल 10 का उपयोग करते हुए डिकपल्ड आर्किटेक्चर को अपनाना।
7. सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाने के लिए नए विषयगत खंडों और क्यूरेटेड सांस्कृतिक संग्रहों को शामिल करना।

(ग) और (घ): भारतीय संस्कृति पोर्टल ने मानक मेटाडेटा आदान-प्रदान, एपीआई और सांस्थानिक ऑनबोर्डिंग के माध्यम से सांस्कृतिक संस्थाओं के एकीकरण के लिए तंत्र स्थापित किए हैं। यह पोर्टल संस्कृति मंत्रालय और भागीदार संगठनों के अंतर्गत संग्रहालयों, पुस्तकालयों, अभिलेखागारों और अन्य सांस्कृतिक संस्थाओं से डिजिटल संसाधनों को एकत्रित करके एकीकृत खोज प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है।

(ड.): इस अपग्रेडिड पोर्टल का उद्देश्य निम्नलिखित द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत तक व्यापक सार्वजनिक पहुंच और उसके परिरक्षण को बढ़ावा देना है:

1. कई संस्थाओं के सांस्कृतिक संसाधनों तक पहुंच के लिए एकल डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करना।
2. उन्नत खोज, मेटाडेटा-आधारित खोज के माध्यम से अनुसंधान और डिजिटलीकृत संग्रहों तक पहुंच को सुगम बनाना।
3. प्रमाणित सांस्कृतिक जानकारी के माध्यम से छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षकों और आम जनता की सहायता करना।

4. संग्रहालयों, स्मारकों, पांडुलिपियों, कलाकृतियों और विरासत संग्रहों की वर्चुअल खोज की सुविधा देना।
5. क्यूरेटेड विषयगत सामग्री के माध्यम से भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
6. सांस्कृतिक संसाधनों के दीर्घकालिक डिजिटल संरक्षण और पहुंच को सुदृढ़ करना।
7. बहुभाषी पहुंच और बेहतर डिजिटल जुड़ाव के माध्यम से व्यापक सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
8. विश्व भर में किसी भी स्थान से इस वेबसाइट तक पहुंचा जा सकेगा और यह सभी स्क्रीन साइजों (डेस्कटॉप, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन) में रिस्पॉन्सिव होगी।

*****